Seventeenth Loksabha

>

Title: Request the Chhattisgarh government to continue the contacts with self - help groups engaged in Anganwadi work.

श्री संतोष पान्डेय (राजनंदगाँव): माननीय अध्यक्ष, आपने मुझे यह अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं । छत्तीसगढ़ में जो सरकार चल रही है, वास्तव में केन्द्र की मद से 14वें और **15**वें वित्त के जो पैसे हैं, उसका किस प्रकार से **...*** किया जा रहा है, मैं यह विषय आपके सामने रखना चाहता हूं । छत्तीसगढ़ की सरकार आंगनवाड़ी में अध्ययनरत बच्चों को रेडी टू इट पोषण आहार वितरण को महिला समूहों से छीन करके ठेकेदारों के माध्यम से वितरित करने और **...*** की तैयारी की जा चुकी है ।...(व्यवधान) यह छत्तीसगढ़ सरकार ने आदेश दिया है ।...(व्यवधान) वह वहां की महिलाओं का हक छिनने का काम कर रही है और महत्वपूर्ण तथ्य यह है की प्रदेश में सक्रिय हजारों महिला समूह की लाखों बहनें बेरोजगार हो जाएंगी । उनके द्वारा क्रय की गई मशीनें अनुपयोगी हो जाएंगी ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि 2009 में जो तत्कालीन सरकार थी, उन्होंने महिलाओं और बच्चों के लिए सभी प्रकार के पोषण आहार तैयार करने का जिम्मा महिला समूहों को दिया गया था, ताकि उनको रोजगार प्राप्त हो सके और हजारों महिलाओं को रोजगार भी प्राप्त हुआ । वहां ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी आर्थिक और सामाजिक रूप से बदलने लगी, वहां परिवर्तन आया ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ऐसे 30-35 हजार से ऊपर स्व-सहायता समूह बेरोजगार हो जाएंगे, उनको बेरोजगार होने से बचाया जाए ।... (व्यवधान) वहां सभी प्रकार से सभी व्यवस्थित हों । ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : शून्य काल में आरोप-प्रत्यारोप न किया करें, नहीं तो आइंदा बोलने की इजाजत नहीं मिलेगी । इधर के माननीय सदस्य हों या उधर के माननीय सदस्य हों, मैं सभी को एक साथ कह रहा हूं ।